SWAMI DHARMABANDHU COLLEGE OF EDUCATION
(B.Ed. & D.El.Ed.)
(Recognised by: ERC-NCTE & Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag and JAC, Ranchi)
Harhad, Mukundganj, PO-Banha Nawada, Dist – Hazaribag, (Jharkhand) 825301
Email: sdbce.hzb@gmail.com Website: www.sdce.co.in

Report on "Vermicompost" Program
15.07 2025

Introduction:

On 15th July 2025 (Thursday), the "Hareetimaa" Eco Club Committee of Swami Dharmabandhu College of Education, Hazaribagh, successfully organized a Vermicompost Program on the college campus. The program was conducted under the guidance of Principal Dr. Sarika Kumari and teacher's saw active participation from the students of session 2024–26. The aim of the program was to educate students about eco-friendly waste management practices and promote the use of organic compost in daily life and agriculture.

Objectives of the Program:

1. To create awareness about the importance of vermicomposting in managing biodegradable waste.
2. To encourage the production and use of organic manure in place of chemical fertilizers.
3. To provide hands-on training to students on setting up and maintaining a vermicompost unit.
4. To involve students in environmental conservation through sustainable practices.
5. To keep the campus clean and green by converting waste into useful compost.

The event began with a short inaugural session addressed by Principal Dr. Sarika Kumari, who appreciated the efforts of the "Hareetimaa" Eco Club and encouraged students to adopt sustainable practices in their daily lives. She emphasized the need for waste reduction and eco-conscious living in educational institutions.
Students actively participated in the demonstration of the vermicomposting process. Organic waste such as vegetable peels, paper waste, and dry leaves was collected and placed in a prepared pit. Earthworms were introduced into the compost pit to start the natural decomposition process. The students were taught how to maintain moisture, temperature, and hygiene in the composting area.

Conclusion:

The Vermicompost Program conducted by the "Hareetimaa" Eco Club Committee was a practical and educational experience for the students. It strengthened their understanding of environmental sustainability and the value of organic farming practices. The program concluded with a collective resolution to expand vermicomposting practices on campus and encourage the local community to adopt similar methods for waste management.

Scanned with OKEN Scanner

Fig: Vermicompost Program.

Fig: Teachers and students doing Vermicompost.

Scanned with OKEN Scanner

द जोहार टाइम्स
15 जुलाई 2025 05

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन मे वर्मी कम्पोस्ट : स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में पहल

द जोहार टाइम्स

हजारीबाग : स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु हरितिमा इको क्लब द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बी.एड सत्र 2024द्26 के सभी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज की प्राचार्या, उपप्रचार्या ,सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारीगण

की सक्रिय सहभागिता रही।इस अवसर पर छात्रों को केंचुओं के माध्यम से खाद बनाने की विधियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने की, जिन्होंने वर्मी कम्पोस्टिंग को "हरित भविष्य की नींव" बताते हुए इसके महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्टिंग जैविक कचरे को उपयोगी खाद में बदलने की एक कारगर विधि है,यह न केवल कृषि में सहायक है, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का भी सशक्त माध्यम है। जैविक खाद से फसल की गुणवत्ता सुधारने ,रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा रासायनिक खाद की आवश्यकता को घटाने में अत्यंत उपयोगी है ।यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित , लागत में किफायती और जल संरक्षण में भी लाभकारी है । यह कार्यक्रम न केवल शिक्षाप्रद रहा, बल्कि इसके माध्यम से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत हुई।

Fig: Press Release: The Johar Times.
Date: 16.07.2025 (Vermicompost Program.

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वर्मी कम्पोस्टिंग पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

हजारीबाग, 16जुलाई: स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु हरितिमा इको क्लब द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बी.एड सत्र 2024-26 के सभी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज की प्राचार्या, उपप्रचार्या ,सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारीगण की सक्रिय सहभागिता रही।

इस अवसर पर , छात्रों को केंचुओं के माध्यम से खाद बनाने की विधियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने की, जिन्होंने वर्मी कम्पोस्टिंग को हरित भविष्य की नींव बताते हुए इसके महत्व को विस्तार से समझाया।

उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्टिंग जैविक कचरे को उपयोगी खाद में बदलने की एक कारगर विधि है,यह न केवल कृषि में सहायक है, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का भी सशक्त माध्यम है। जैविक खाद से फसल की गुणवत्ता सुधारने ,रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा रासायनिक खाद की आवश्यकता को घटाने में अत्यंत उपयोगी है ।यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित , लागत में किफायती और जल संरक्षण में भी लाभकारी है । यह कार्यक्रम न केवल शिक्षाप्रद रहा, बल्कि इसके माध्यम से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत हुई।

Sarika
Principal
Swami Dharmabandhu College of Education
Harhad, Hazaribag

Fig: Press Release; Deshpran (Vermicompost program.
Date: 16.07.2025.

Scanned with OKEN Scanner

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन मे वर्मी कम्पोस्टः स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में पहल

हजारीबाग(बिभा) : स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु हरितिमा इको क्लब द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बी.एड सत्र 2024-26 के सभी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज की प्राचार्या, उपप्रचार्या ,सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारीगण की सक्रिय सहभागिता रही।इस अवसर पर छात्रों को केंचुओं के माध्यम से खाद बनाने की विधियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने की, जिन्होंने वर्मी कम्पोस्टिंग को हरित भविष्य की नींव बताते हुए इसके महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्टिंग जैविक कचरे को उपयोगी खाद में बदलने की एक कारगर विधि है,यह न केवल कृषि में सहायक है, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का भी सशक्त माध्यम है। जैविक खाद से फसल की गुणवत्ता सुधारने ,रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा रासायनिक खाद की आवश्यकता को घटाने में अत्यंत उपयोगी है ।यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित , लागत में किफायती और जल संरक्षण में भी लाभकारी है । यह कार्यक्रम न केवल शिक्षाप्रद रहा, बल्कि इसके माध्यम से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत हुई।

Fig : Press Release : Bibha.
Date : 16.07.2025
Varmicompost Program.

Sarika
16/07/2025
Principal
Swami Dharmabandhu College of Education
Harhad, Mukundganj, Hazaribag

Scanned with OKEN Scanner